## प्रस्तावना

विगत तीन दशकों की अवधि में, कार्य एंव विकास के सभी क्षेत्रों में महिलाओं की प्रतिभागिता में वृद्धि हुई है। यह विशेषतया बालिका शिशु तथा महिलाओं के विकास के लिए बनाई गई विभिन्न नीतियों एंव कार्यक्रमों के फलस्वरूप ही संभव हुआ है। अधिक विशेष बात यह है कि 'विकास में महिलायें' अथवा डब्ल्यू आई डी एप्रोच इस विचार से उभर कर सामने आई है कि महिलायें 'बाहय' स्वास्थ्य एंव विकास प्रक्रिया से संबद्ध थी तथा इस स्थिति को ठीक करने के लिए और उन्हें एकीकृत करने हेतु विशेष रूप से युवतियों तथा महिलाओं के लिए प्रयासों को लक्षित करना आवश्यक था । अधिकांश मामलों में महिलायें सामाजिक-आर्थिक हानि की स्थिति में हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है तथा इसलिए यह आवश्यक है कि महिलाओं में हानि की स्थिति में सुधार लाने वाले हस्तक्षेपों को बढ़ावा दिया जाए। इसलिए समानता प्राप्ति तक महिलाओं की स्थिति पर विशेषतया केन्द्रित एक लैंगिक एप्रोच अपेक्षित है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम लिंग, स्वास्थ्य एवं विकास के बीच अन्तरसंबंध पर स्वास्थ्य व्यावसायिओं को अवगत कराने के लिए आयोजित किया गया है। लैंगिक समानताएं और महिला सशक्तिकरण को आई सी पी डी गोल्स और मिलिनियम्स डेवलपमेन्ट गोल्स दोनो द्वारा उच्च प्राथमिकता प्रदान की गई है।

इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का उद्देश्य लैंगिक मुद्दों की परिकल्पना करना तथा इन्हें विकास प्रक्रिया में एकीकृत करके स्वास्थ्य कार्मिकों की क्षमता वृद्धि द्वारा लैंगिक संवेदनशीलता में वृद्धि करना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का लक्ष्य स्वास्थ्य कार्मिकों को लैंगिक एप्रोच का समावेश करने में कौशल प्रदान करना तथा उनके दैनिक कार्य में समुचित नीति नियोजन विकासात्मक पक्षों तथा रणनीति प्रबन्धन के प्रभावशाली ढंग से प्रयोग करने में सक्षम बनाना है। प्रतिभागियों की उज्वलता के साथ जानकारी कौशल और लैंगिक विकास की जरूरी धारणा को ध्यान में रखकर इस पाठ्यक्रम को तैयार किया गया है। यह आशा की जाती है कि प्रतिभागी इस प्रशिक्षण से नीतियों एवं कार्यक्रमों में उनके संगठनों/संस्थानों में संयुक्त लैंगिक तथा संवेदनशीलता में कुछ बदलाव करेंगे ।

## सामान्य उद्देश्य

स्वास्थ्य प्रणाली में लैंगिक एप्रोच प्रचलनात्मक करने के लिए स्वास्थ्य कार्मिकों के कौशल में वृद्धि करना।

## विशिष्ट उद्देश्य

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की समाप्ति के पश्चात प्रतिभागी निम्नलिखित विषयों को समझ सकेगें:

- एक संपूर्ण एप्रोच में लिंग, स्वास्थ्य एवं विकास संबंधी अवधारणा का परीक्षण करना ।
- स्वास्थ्य एवं मानव विकास के क्षेत्रों में लैंगिक एप्रोच तथ इसके औचित्य के बारे में विचार विमर्श करना ।
- समर्थ प्रतिभागियों को कौशल तथा कार्यपद्धतियां अर्जित कराना, ताकि वह अपने कार्य प्रोफाइलों में लैंगिक एप्रोच प्रयोग करने में सक्षम हो सकें ।
- लैंगिक बजटीकरण संबंधी अवधारणा को समझने योग्य होना ।
- स्वास्थ्य परियोजनाओं तथा कार्यक्रमों में लिंग घटक का समावेश करना ।
- अपने कार्य (परियोजनाओं/कार्यक्रमों) के निजी क्षेत्रों में लैंगिक विश्लेषण लागू करना

## पाठ्यक्रम विषय क्षेत्र:

- लिंग, स्वास्थ्य एवं विकास संबंधी अवधारणा ।
- शिशु बालिका तथा महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी वर्तमान परिदृश्य ।
- स्वास्थ्य सेक्टर में लैंगिक प्रमुखता
- लैंगिक बजटीकरण संबंधी अवधारणा ।
- स्वास्थ्य कार्यक्रमों का लैंगिक आंकलन ।
- राष्ट्रीय/राजकीय कार्यक्रमों एवं नीतियों में लैंगिक पक्षों संबंधी विश्लेषण ।

## कार्यपद्धति

लेक्चर-चर्चा विधि के माध्यम से अवधारणाओं संबंधी अभिविन्यास/प्रेक्टिकल कार्य तथा सामूहिक अभ्यासों के लिए प्रतिभागिता एप्रोच प्रयोग की जाएगी।

## अवधि

तीन दिन(24-26 सितम्बर, 2008)

## प्रतिभागियों का स्वरूप

राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की योजना तथा क्रियान्वयन से संबंध कार्यक्रम अधिकारी तथा अन्य अधिकारी, प्रशिक्षण संस्थानों के संकाय सदस्य/प्रशिक्षक, स्वास्थ्य सेक्टर में कार्यरत आंकड़ा विश्लेषण एवं कार्मिक से संबंध अधिकारी।

## प्रतिभागियों की संख्या

(25-30) प्रत्येक राज्य या संगठन से एक या दो प्रतिभागी

## कार्यशाला निष्कर्ष

इस प्रशिक्षण पाठयक्रम से लैंगिक विषयों,प्रजनन एवं अन्य स्वास्थ्य विषयों के बारे में सामान्य जानकारी सीखने का अवसर मिलेगा। लैंगिक विषयों के योजना और विकास प्रक्रिया को कैसे जोड़ने का काम करें, इससे प्रतिभागियों के समझने की क्षमता को बढ़ाने में सहायक होगा।

## आयोजन स्थल

शिक्षण खंड,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान,
मुनीरका, नई दिल्ली-110067

## पाठ्यक्रम समन्वयन टीम

पाठ्यक्रम निदेशक : डा. देवकी नंदन
पाठ्यक्रम समन्वयकर्ता : डा.(सुश्री) पूनम खट्टर
सह-समन्वयकर्ता : डा. के.एस.नायर

## संस्थान के बारे में

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान की स्थापना राष्ट्रीय स्तर के दो पूर्व संस्थानों अर्थात्, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रशासन एवं शिक्षण संस्थान तथा राष्ट्रीय परिवार नियोजन संस्थान का विलय करके वर्ष 1977 में की गई थी। यह स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित एक स्वशासी संस्थान है तथा एक शीर्षस्थ तकनीकी संस्थान के रूप में शिक्षा एवं प्रशिक्षण, अनुसंधान, मूल्यांकन, विशिष्ट सेवाओं तथा परामर्श सेवाओं के माध्यम से देश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के कार्य में जुटा है।

## संस्थान की स्थिति

यह संस्थान दक्षिण दिल्ली में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय तथा मुनीरका डी.डी.ए फ्लैट्स के समीप स्थित है। यहाँ इंदिरा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे तथा नई दिल्ली रेलवे स्टेशन (दूरी लगभग क्रमशः 7 कि.मी. तथा 15 कि.मी.) से आसानी से पहुँचा जा सकता है।

## पाठ्यक्रम शुल्क

इस पाठ्यक्रम के लिए कोई शुल्क नही लिया जाता है। यात्रा भत्ते/अन्य व्यय प्रतिभागियों/प्रायोजक संस्थान द्वारा वहन किए जाएंगे।

## आवास

संस्थान के परिसर स्थित हॉस्टल में केवल प्रतिभागियों को सामान्य दरों पर आधुनिक हॉस्टल आवास उपलब्ध कराया जाएगा।

## मौसम

लगभग 30-35 डिग्री सेल्सियस तापमान सहित सुहावना मौसम।

## नामांकन भेजने की अंतिम तिथि

2 सितम्बर 2008
(प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वह इस संस्थान से पुष्टि संबंधी पत्र प्राप्त होने पर ही रास्वापक संस्थान, नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करें।)

## अन्य पत्र-व्यवहार निम्नलिखित पते पर करें


डा.पूनम खट्टर
पाठ्यक्रम समन्वयकर्ता
शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग
राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
मुनीरका, नई दिल्ली-110067
ई-मेलः
poonamkhattar@gmail.com,pkhattar@nihfw.org
ksnair.nihfw@nic.in, ksnair@nihfw.org

दूरभाष संख्याः 26165959 / 26166441 / 26188485 / 26107773
फैक्सः 91-11-2610 1623
ई-मेलः director@nihfw.org,dnandan51@yahoo.com
वेबसाइटःwww.nihfw.org


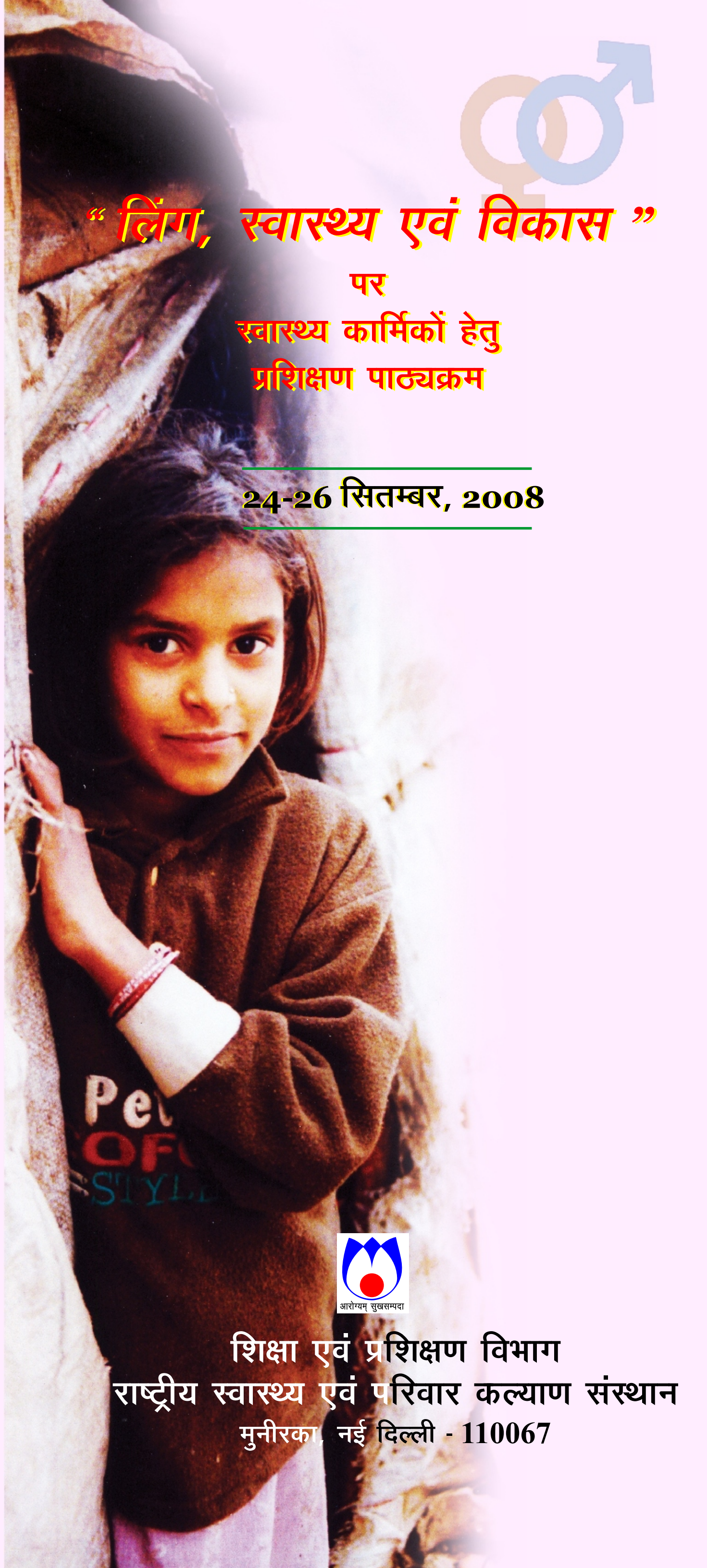

# “ लिंग, स्वास्थ्य एवं विकास ”

पर
स्वास्थ्य कार्मिकों हेतु
प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

24-26 सितम्बर, 2008

आरोग्यम् सुखसम्पदा

शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग
राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
मुनीरका, नई दिल्ली - 110067